अध्याय–VII

योजनाएँ

1) वार्षिक योजना

2) पाठ-योजना

   (i) सोपानों का विवरण

   (ii) गद्य नमूना पाठ

   (iii) पद्य नमूना पाठ

किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एक योजना (Plan) का होना आवश्यक है। भाषा - शिक्षण के उद्देश्य की प्राप्ति बालकों में शैक्षिक मापदंडों के विकास व अपनाये जाने वाले व्यूहों के लिए, एक अध्यापक को चाहिए कि निम्न योजनाएँ बनायें। ये योजनाएँ हैं :

(1) **वार्षिक योजना** (Year Plan)

(2) **पाठ योजना** (Lesson Plan)

वार्षिक योजना

वर्तमान वार्षिक योजना में एक कक्षा से संबंधित, तत्संबंधी विषय में शैक्षिक वर्ष की समाप्ति पर बालक किन-किन शैक्षिक मापदंडों की प्राप्ति करें, एक-एक पाठ के लिए कितने कालांश चाहिए? इसका विवरण लिखना चाहिए।

शिक्षण प्रक्रिया सुचारु रूप से चलने के लिए किन-किन शिक्षण अधिगम सामग्रियों की आवश्यकता पड़ती है? प्रत्येक माह शैक्षिक मापदंडों की प्राप्ति के लिए किन-किन कार्यक्रमों का आयोजन करना चाहिए? सी.सी.ई. से संबंधित किन-किन जानकारियों का अंकन करना चाहिए? जैसे अंशों को वार्षिक योजना में स्थान देना चाहिए। निम्नलिखित सोपानों के द्वारा वार्षिक योजना लिखनी चाहिए।

I कक्षा

II विषय

III आवश्यक कालांशों की संख्या

IV शैक्षिक वर्ष की समाप्ति पर बालकों द्वारा अर्जित की जाने वाली शैक्षिक दक्षताएँ

V माहवार पाठों का विभाजन

VI अध्यापक की प्रतिक्रियाएँ

VII प्रधानाध्यापक के सुझाव, निर्देश।

अ) वार्षिक योजना - नमूना

1. **कक्षा** :

2. **विषय** :

3. **आवश्यक कालांशों की संख्या :**

अ) कुल कालांश :

आ) शिक्षण अधिगम के लिए आवश्यक कालांशों की संख्या :

4. **वर्ष की समाप्ति पर अर्जित किये जाने वाले शैक्षिक मापदंड :**
   - अर्थग्राहृयता - प्रतिक्रिया
   - अभिव्यक्ति - सृजनात्मकता
   - भाषा की बात

5. मासवार पाठों का विभाजन :

महीना	शिक्षण हेतु पाठ का नाम	आवश्यक कालांशों की संख्या	संसाधन	आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रम, सी.सी.ई.
जून	1 2			

6. अध्यापक की प्रतिक्रिया :

7. प्रधानाध्यापक के सुझाव व निर्देश :

आ) वार्षिक योजना के सोपानों का विवरण

I. **कक्षा** : जिस किसी कक्षा की वार्षिक योजना लिख रहे हैं, उस कक्षा की संख्या यहाँ लिखें।(उदाः 6वीं, 7वीं, 8वीं, 9वीं)

II. **विषय** : विषय लिखें।(उदाः हिंदी, तेलुगु, अंग्रेज़ी आदि।)

III. **आवश्यक कालांशों की संख्या** :पाठ्यपुस्तक के सभी पाठों को पूर्ण करने के लिए आवश्यक कालांशों की संख्या यहाँ लिखें। इनमें-

अ) कुल कालांश : 110 (यानी इसमें वर्ष की कुल कालांशों की संख्या लिखेंगे।)

आ) शिक्षण के लिए आवश्यक कालांशों की संख्या : 90 (यानी कुल शिक्षण कालांश 110 हैं, तो पाठ्यपुस्तक शिक्षण के लिए 90 कालांश निर्धारित हैं।)

IV. **वर्ष की समाप्ति तक अर्जित किये जाने वाले शैक्षिक मापदंड :**

शैक्षिक वर्ष की समाप्ति तक छात्रा का अपनी कक्षा के स्तरानुसार किन-किन शैक्षिक मापदंडों को अर्जित करना चाहिए इसके बारे में लिखना चाहिए। इन्हें लिखते समय पाठ्यपुस्तक को ध्यान में रखना चाहिए।

1. अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया :
   बालक किसके बारे में किस तरह बातचीत करें, के बारे में लिखें।
   बालक किसके बारे में पढ़कर व समझकर प्रतिक्रिया करें, के बारे में लिखें।
2. अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता :
   बालक किसके बारे में अपने शब्दों में लिखना है, के बारे में लिखें।
   सृजनात्मक रूप में किन-किन विधाओं में प्रस्तुतीकरण है, उसके बारे में लिखना है।
   किनकी प्रशंसा कर सकें, उन्हें लिखना है।
3. भाषा की बात : व्याकरणांश में किन अंशों की प्राप्ति करना है, उन्हें लिखना है।
4. परियोजना कार्य :
   पाठ के आधार पर बालक को किस तरह के परियोजना कार्य करना है, के बारे में लिखना है।
   इस तरह शैक्षिक वर्ष की समाप्ति पर बालक किन-किन दक्षताओं में क्या प्राप्त करना है, के बारे में उन-उन दक्षताओं के नीचे लिखना है।

V. **माहवार पाठों का विभाजन - योजना :**

पूरे साल भर में किस महीने में क्या पढाना है? उस पाठ की समाप्ति के लिए आवश्यक कालांशों की संख्या कितनी होगी? (यहाँ पाठ का शिक्षण यानी प्रस्तावना चित्र से लेकर परियोजना कार्य तक के क्रियाकलाप करवाना है। अध्यापक को इन सबका ध्यान रखकर पाठ कालांशों का विभाजन करना चाहिए।)। उसी तरह पाठ शिक्षण के लिए अतिरिक्त सामग्री क्या चाहिए, आदि के बारे में लिखना चाहिए।

शैक्षिक मापदंडवार विकास के लिए प्रति महीने किन कार्यक्रमों का आयोजन करने वाले हैं, आदि के बारे में विवरण देने चाहिए। (उदा : निबंध लेखन, भाषण प्रतियोगिता, कविता वाचन, नाटक मंचन आदि।)

तालिका को निम्नलिखित ढंग से लिखना चाहिए।

माह	पाठ का नाम	आवश्यक कालांशों की संख्या	सामग्री	आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रम, सी.सी.ई.
जून	जिस देश में गंगा बहती है	7	चित्र, वीडियो आदि।	गायन प्रतियोगिता

इस तरह सभी पाठों के लिए लिखना चाहिए। इस बात का पूरा ध्यान रखना चाहिए कालांशों का विभाजन पाठ के स्वभाव को ध्यान में रखकर करना चाहिए। इस तरह एक पाठ के लिए औसत छह कालांश प्राप्त होते हैं।

शिक्षण के लिए संसाधन एवं शिक्षण अधिगम सामग्री (Resources for teaching & TLM) :

प्रत्येक अध्यापक को चाहिए कि वह शिक्षण करने वाले पाठ के लिए संसाधन इकट्ठा कर लें। यहाँ संसाधन का अर्थ है- उपयुक्त ग्रंथः (reference books), अध्यापक सहायक पुस्तिका, शिक्षण में उपयोगी सामग्री, शब्दकोश, सी.डी., वीडियो, पत्रिकाएँ, समाचार पत्र के मुख्यांश, शिक्षण टिप्पणियाँ आदि। अध्यापक इनके अतिरिक्त अन्य सामग्रियों का उपयोग भी कर सकते हैं।

आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रम (Activities / Programmes to be performed) :

अपेक्षित दक्षताओं की प्राप्ति के लिए संबंधित विषय में कुछ कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए। इनका आयोजन स्थानीय परिवेश का उपयोग करते हुए करना चाहिए। इसके अंतर्गत कुछ कार्यक्रम कक्षा में तो कुछ कार्यक्रम बाहर आयोजित करने चाहिए। इनमें क्षेत्र पर्यटन (field visit), सांस्कृतिक कार्यक्रम (cultural activities), विज्ञान यात्राएँ (educational tours), सामाजिक संस्थाओं का पर्यटन (visiting of social institutions), समाज सेवा (social service), कूटप्रश्न प्रतियोगिता (quiz),सेमिनार (seminars), विविध तरह की कविताएँ, कहानियाँ, करपत्र, पोस्टर आदि बनाने के लिए कार्यशालाएँ (workshops for material development), समाचार पत्र के लिए लेख लिखना (writing articles / case studies to newspapers), कवि सम्मेलन, विषय विशेषज्ञों द्वारा भाषण (lecturers from experts), पद्य वाचन, निबंध लेखन, भाषण प्रतियोगिता, चित्रलेखन, कविता लेखन, कहानी लेखन आदि सृजनात्मक क्रियाकलापों (creative activities) का आयोजन करना चाहिए। इन्हें वार्षिक योजना में दर्शाना तथा अमल में लाना चाहिए। इन कार्यक्रमों से छात्रों में विविध दक्षताओं, रुचियों का विकास होता है तथा पाठशाला मनोरंजन का केंद्र बनता है। इसके लिए प्रत्येक अध्यापक, प्रधानाध्यापक को व्यावसायिक ढंग से सोचते हुए अपने व्यवसाय के प्रति न्याय करना चाहिए। उसी तरह सी.सी.ई से संबंधित किस महीने में रचनात्मक मूल्यांकन आयोजित व दर्ज करना है तथा सारांशात्मक मूल्यांकन के लिए प्रश्न पत्र तैयार करना है, आदि वार्षिक योजना में दर्शाना चाहिए।

VI. अध्यापक की प्रतिक्रियाएँ :

वर्ष समाप्त होने तक अध्यापक शैक्षिक मापदंडों की प्राप्ति के लिए किन-किन क्रियाकलापों का आयोजन किया है? छात्रों की भागीदारी कैसी है? किन शैक्षिक मापदंडों में छात्रों ने प्रगति की है? किनमें पिछड़े हैं? सृजनात्मक, प्रशंसापूर्वक कार्य, परियोजना कार्य किस तरह किये? शैक्षिक मापदंडों की प्राप्ति के लिए वह और क्या कर सकता है? आदि के बारे में अध्यापक को अपनी प्रतिक्रियाएँ लिखनी चाहिए। इसके लिए कुछ पृष्ठ रखने चाहिए। वार्षिक योजना के सोपान एक से पाँच तक कोई बड़े परिवर्तन देखने को नहीं मिलेंगे। किंतु अध्यापक की प्रतिक्रियाएँ पाठवार बदलती रहती हैं। इसीलिए माहवार प्रतिक्रियाएँ लिखनी चाहिए। प्रधानाध्यापक के सुझाव व निर्देश भी माहवार होते हैं, जिन्हें वार्षिक योजना के सोपान संख्या सात में दर्ज करने होते हैं। इस तरह अध्यापक की प्रतिक्रियाएँ, प्रधानाध्यापक के सुझाव व निर्देश लिखने के उपरांत अगले वर्ष के लिए एक नया पृष्ठ रखना चाहिए। अतः वार्षिक योजना के इन सोपानों के लिए अलग से पृष्ठ रखने चाहिए।

VII. प्रधानाध्यापक के सुझाव व निर्देश :

प्रधानाध्यापक को चाहिए कि वह मासवार अपने सुझाव व निर्देश दर्ज करें। इस तरह वर्ष समाप्त होने पर अगले वर्ष के लिए एक और पृष्ठ आबंटित करना चाहिए।

वार्षिक योजना

I **कक्षा : दसवीं**

II **विषय : हिंदी**

III **आवश्यक कालांशों की संख्या :**

अ) कुल कालांश : 220

आ) शिक्षण के लिए आवश्यक कालांश : 110

IV **शैक्षिक वर्ष की समाप्ति पर छात्र द्वारा प्राप्त की जाने वाली दक्षताएँ**

I अर्थग्राह्यता - प्रतिक्रिया :-

- दिये गये विषय पर चर्चा कर सकेंगे।
- पंक्तियाँ क्रमानुसार लिख सकेंगे।
- भाव से संबंधित पंक्तियाँ पाठ में से ढूँढ़कर लिख सकेंगे।
- पाठ पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिख सकेंगे।
- गद्यांश पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिख सकेंगे।
- किसी एक विषय पर अपने विचार प्रकट कर सकेंगे।
- दिये गये विषय के महत्व के बारे में बता सकेंगे।
- पाठ के आधार पर वाक्य जोड़कर सही वाक्य लिख सकेंगे।
- पात्र के स्थान पर स्वयं को रखकर अपने विचार बता सकेंगे।
- कवियों के नाम बता सकेंगे।
- कवियों के बारे में बता सकेंगे।
- रिक्त स्थानों की पूर्ति कर सकेंगे।
- पाठ पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिख सकेंगे।
- पद्य, गीत, कविता, वार्तालाप आदि सुनकर समझ सकेंगे। अपने शब्दों में कह सकेंगे।
- संबंधित अंशों के कारण बता सकेंगे।
- पद्य, गीत धारा प्रवाह के साथ गा सकेंगे। अपने शब्दों में कह सकेंगे।
- छात्र समाज के प्रति संवेदनशील बन सकेंगे।

II अभिव्यक्ति सृजनात्मकता :-

- पाठ्यांशों की घटनाओं, अंशों, पात्रों, स्थानों, विषयों के बारे में समझकर अपने शब्दों में लिख सकेंगे।

- अधूरे विषय, कहानी, कविता, संवाद आदि आगे बढ़ा सकेंगे।
- अलग-अलग घटनाओं में स्वयं को रखकर घटना आगे बढ़ा सकेंगे।
- शब्दों का विविध संदर्भों में सही पद्धति में वाक्य प्रयोग कर सकेंगे।
- पर्याय शब्दों के अर्थग्रहण कर दैनिक जीवन में उपयोग कर सकेंगे।
- पद्य या गद्य को एक विधा से दूसरी विधा में बदल सकेंगे।
- निमंत्रण, बधाई पत्र, दीवार पत्रिका, पोस्टर, पावर पाइंट प्रस्तुतीकरण तैयार कर सकेंगे।
- पाठ का भाव अपने शब्दों में लिख सकेंगे।
- दिये गये विषय पर अपने विचार लिख सकेंगे।
- संदेश लिख सकेंगे।
- साक्षात्कार के लिए प्रश्न लिख सकेंगे।
- दिये गये विषय का महत्व लिख सकेंगे।
- किसी पात्र, लेखक या कवि, व्यक्ति, मित्र आदि की प्रशंसा लिख सकेंगे।
- प्रेरणा देने वाले किसी भी अंश की प्रशंसा लिंग, धर्म, वर्ग और भेद के बिना कर सकेंगे।
- भिन्न संस्कृति, संप्रदायों की प्रशंसा कर सकेंगे।

III **भाषा की बात :-**

- व्याकरणांशों को पहचान सकेंगे।
- मुहावरों के अर्थ बताकर उनका वाक्य में प्रयोग कर सकेंगे।
- सरल, संयुक्त, मिश्र वाक्यों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- शब्दार्थ बताकर वाक्य प्रयोग कर सकेंगे।
- पर्यायवाची शब्द बता सकेंगे।
- समुच्चय बोधक, संबंध बोधक, विस्मयादि बोधक शब्द जोड़ सकेंगे।
- पुनरुक्त शब्द समझ सकेंगे।
- विपरीतार्थक शब्द लिख सकेंगे।
- पद-परिचय बता सकेंगे।
- तत्सम, तद्भव, उपसर्ग, प्रत्यय शब्द पहचान सकेंगे। लिख सकेंगे।
- संधि-विग्रह कर सकेंगे।
- समास पहचान सकेंगे।
- कारक शब्द पहचान सकेंगे।
- संयुक्त क्रिया का प्रयोग समझ सकेंगे।
- अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिख सकेंगे।
- अकर्मक, सकर्मक क्रिया पहचान सकेंगे।
- वाक्य के प्रकार बता सकेंगे।

V माहवार पाठ योजना का विभाजन :-

इकाई	मास	पढ़ानेवाले पाठ का नाम	आवश्यक कालांशों की संख्या	संसाधन	आयोजित किये जानेवाले कार्यक्रम
	जून	1. बरसते बादल	8	वर्षा से संबंधित कुछ चित्र।	• हावभाव के साथ कविता का प्रदर्शन। • वर्षा से संबंधित कविताओं का संग्रहण।
I	जुलाई	2. ईदगाह	8	कुछ त्यौहारों से संबंधित संदर्भों के चित्र, रमज़ान से संबंधित चित्र, किसी मेले का चित्र।	• कहानी का नाटकीकरण। पाठशाला में मेले का आयोजन छात्रों से करवाना।
		• यह रास्ता कहाँ जाता है? (पठन हेतु नाटक)	1		
		3. हम भारतवासी	8	महान व्यक्तियों के चित्र, देश भक्तों के चित्र	• हावभाव के साथ कविता का प्रदर्शन • देश भक्ति से संबंधित कविता, गीत का संग्रहण।
		• शांति की राह में			
II	अगस्त	4. कण-कण का अधिकारी	8	गाँधीजी का चरखा चलाते हुए चित्र, कुछ मेहनती व्यक्तियों के चित्र।	• हावभाव के साथ कविता का प्रदर्शन • छात्रों से श्रम दान करवाना। • श्रम से संबंधित प्रेरणा दायक कविताओं का संग्रहण।

		5. लोकगीत ● उलझन (पठन हेतु)	8 1	कई प्रकार के लोकगीतों का आडियो सुनवाना जिस संदर्भों में लोकगीत गाये जाते हैं उनके चित्र।	● हावभाव के साथ कुछ लोकगीतों का प्रदर्शन ● एक अंश देकर उस विषय पर निबंध लिखाना।
II	सितंबर	6. अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी दो कलाकार (उपवाचक)	8 2	महान व्यक्तियों द्वारा लिखे पत्र।	● हिंदी दिवस का आयोजन भाषण प्रतियोगिता का चर्चा आयोजन
III	सितंबर /अक्तूबर अक्तूबर अक्तूबर /नवंबर 	भक्ति पद स्वराज्य की नींव माँ मुझे आने दे! दक्षिणी गंगा गोदावरी अपने स्कूल को एक उपहार (उपवाचक)	8 8 1 8 2	रैदास, मीराबाई के चित्र, हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई देवताओं के चित्र। संबंधित लोक कथाएँ लक्ष्मीबाई से संबंधित कहानियाँ। तात्या, लक्ष्मीबाई के चित्र, तोप, नूपुर के चित्र गोदावरी नदी पी.पी.टी., भारत के मानचित्र में गोदावरी को दर्शाना	● भजन प्रतियोगिता का आयोजन। हाव-भाव के साथ पद, चौपाइयों का गायन नाटकीकरण चर्चा यात्रा - वर्णन चर्चा चर्चा
IV	दिसंबर	नीति दोहे	8	रहीम, बिहारी के चित्र, दोहों का चार्ट	● राग व हाव-भाव के साथ दोहों का गायन पाठशाला में नीति संबंधी सूक्तियों के चार्ट लगाना।

	दिसंबर	जल ही जीवन है	8	जल के विभिन्न उपयोगों को दर्शाता चार्ट	सरकार की ओर से जल संरक्षण के लिए किये जाने वाले कार्यों की सूची बनवाना।
	दिसंबर /जनवरी	क्या आपको पता है? (पठन हेतु)	1		चर्चा
	जनवरी	धरती के सवाल अंतरिक्ष के जवाब	8	दो, तीन विशिष्ट व्यक्तियों से लिये गये साक्षात्कार	साक्षात्कार का आयोजन।
	जनवरी	अनोखा उपाय (उपवाचक)	2		चर्चा

VI अध्यापक की प्रतिक्रियाएँ (Teacher's reflections) :

VII प्रधानाध्यापक के सुझाव व निर्देश :

पाठ - योजना

पहले पाठ-योजना के अंतर्गत पाठ के उद्‌देश्य - स्पष्टीकरण, विषय ज्ञान, साहित्य ज्ञान, भाषा ज्ञान, रुचि, अभिप्राय, शिक्षण पद्धतियाँ, शिक्षण सामग्री आदि लिखा करते थे। उसी तरह एक पाठ शिक्षण का अर्थ था - एक पाठ को तीन-चार हिस्सों में विभाजित कर उसी में शीर्षक की घोषणा, कवि परिचय, व्याकरणांश बताना, गृहकार्य देना आदि कार्य किया करते थे। इसके कारण छात्र पाठ के बारे में जान लेना ही ज्ञान समझते थे। पाठ के अभ्यासों का अधिक महत्व नहीं था। उन अभ्यासों के उत्तर भी पाठ से संबंधित होते थे। उन पर किसी भी प्रकार की चर्चा नहीं होती थी।

अब नवीन पाठ्य पुस्तकों की भाषाई दक्षताओं का अनुसरण करते हुए उनके अनुरूप पाठ योजना लिखनी पड़ती है। अब पाठ योजना में अध्यापक कार्य, छात्र कार्य, श्यामपट कार्य जैसे कार्य नहीं होंगे। पूरे पाठ के लिए एक ही बार यानी उन्मुखीकरण से लेकर परियोजना कार्य तक के लिए पाठ योजना बनानी होगी। वार्षिक योजना में तत्संबंधी पाठ की पूर्ति के लिए आवश्यक कालांशों की संख्या लिखनी चाहिए। उसका अनुसरण करते हुए एक कालांश में क्या करना चाहिए? कैसी रणनीतियों को अपनाना चाहिए? के बारे मं बताते हुए पाठ योजना का निर्माण करना चाहिए।

अ) पाठ योजना - नमूना

I. पाठ का नाम :

II. पाठ के लिए आवश्यक कालांशों की संख्या :

III. पाठ के द्‌वारा अर्जित की जाने वाली दक्षताएँ :

1. **अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया** : ....
2. **अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता** : ....
3. **भाषा की बात** : ....

IV. कालांशवार विभाजन - योजना :

कालांश संख्या	शिक्षण बिंदु	शिक्षण रणनीतियाँ	सामग्री	मूल्यांकन

V. अतिरिक्त जानकारी का संग्रहण :

VI. अध्यापक की प्रतिक्रियाएँ :

आ) हिंदी पाठ योजना के सोपानों का विवरण

I. पाठ का नाम : जिस किसी पाठ की पाठ योजना लिखनी है, उस पाठ का नाम लिखें। जैसेः जिस देश में गंगा बहती है...

II. पाठ के लिए आवश्यक कालांशों की संख्या : वार्षिक योजना में इस पाठ के लिएआवश्यक कालांशें की संख्या लिखें। इस पाठ के लिए7 कालांश हैं।

III. पाठ के द्वारा अर्जित की जाने वाली दक्षताएँ :

1. छात्र इस पाठ की समाप्ति पर अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया शैक्षिक मापदंड में जो दक्षताएँ अर्जित करेंगे, वे यहाँ पर लिखें।

   ....

   ....

2. छात्र इस पाठ की समाप्ति पर अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता शैक्षिक मापदंड में जो दक्षताएँ अर्जित करेंगे, वे यहाँ पर लिखें।

   ....

   ....

3. छात्र इस पाठ की समाप्ति पर भाषा की बात शैक्षिक मापदंड में जो दक्षताएँ अर्जित करेंगे, वे यहाँ पर लिखें।

   ....

   ....

ऊपर दर्शाये गये शैक्षिक मापदंड छात्रों द्वारा अर्जित करने हेतु प्रेरित करना चाहिए।

IV. कालांशवार विभाजन - योजना :

पूरे पाठ के लिए आवश्यक कालांशों की संख्या ध्यान में रखकर किस शिक्षण अंश के लिए कितने कालांश आबंटित किये गये, के बारे में लिखना चाहिए। इसमें उस कालांश की संख्या लिखकर शिक्षण अंश, शिक्षण रणनीति, सामग्री, मूल्यांकन आदि लिखना चाहिए।

कालांश संख्या	शिक्षण अंश	शिक्षण अधिगम प्रक्रिया/ अधिगम अनुभव	सामग्री	मूल्यांकन
1	प्रस्तावना	प्रत्येक से प्रश्न पूछते हुए पूर्ण कक्षा-कक्ष क्रियाकलाप आयोजित करना चाहिए।	अतिरिक्त सामग्री	इस कालांश में संपन्न शिक्षण अंश का मूल्यांकन

अब तालिका में दी गयी जानकारी के बारे में पता लगाते हैं।

कालांश संख्या : जिस किसी कालांश का आयोजन हो रहा है, उसकी संख्या लिखनी चाहिए। (जैसेः 1ला, 2रा, 3रा आदि।)

शिक्षण अंश : पाठ में उन्मुखीकरण चित्र से लेकर परियोजना तक के सभी अंश शिक्षण अंश ही हैं। जिस शिक्षण अंश का आप शिक्षण कर रहे हैं, उसका शीर्षक यहाँ लिखना चाहिए। (जैसेः उन्मुखीकरण, उद्देश्य, संदर्भ, कवि परिचय, पाठ शिक्षण, अभ्यास आदि।)

शिक्षण रणनीतिः पूर्व में शिक्षण अध्यापक केंद्रित था। वर्तमान में यह छात्र केंद्रित है। इसीलिए छात्रों की

भागीदारी, स्वाध्ययन के अवसर बढ़ गये हैं। अतः शिक्षण इसके अनुरूप होना चाहिए। यानी शिक्षण अंश द्वारा अपेक्षित शैक्षिक मापदंड के लिए किस तरह की रणनीति अपनानी चाहिए, के बारे में लिखना चाहिए। (जैसेः व्यक्तिगत क्रियाकलाप, समूहिक क्रियाकलाप, पूर्ण कक्षाकक्ष क्रियाकलाप।) अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया, अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता, भाषा की बात शैक्षिक मापदंड के क्रियान्वयन के लिए निम्नलिखित रणनीतियाँ अपनानी चाहिए। वे हैं-

- समूह क्रियाकलाप, व्यक्तिगत क्रियाकलाप, पूर्ण कक्षाकक्ष क्रियाकलाप (पठन, लेखन, सृजनात्मक, श्रवण-संवाद संबंधित क्रियाकलाप आदि।)
- परस्पर चर्चाएँ, परियोजना कार्य, अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया, प्रदर्शन-चर्चा, प्रतिवेदन की तैयारी चर्चा, भाषाई विकास के कार्यक्रम आदि।

भाषा शिक्षण निम्नलिखित सोपानों के अनुसार होना चाहिए। वे हैं-

- प्रस्तावनाः उन्मुखीकरण, शीर्षक घोषणा, कवि परिचय, उद्देश्य आदि।
- अर्थसंग्रहण / पठन क्रियाकलापः सस्वर वाचन, मौन वाचन, शब्दकोश में ढूँढ़ना।
- पाठ्यांश विषय पर चर्चा, अवगत कराना, पाठ के मुख्य शब्द, मुहावरे-कहावतें, संदेशात्मक वाक्य, शैली, निगूढ़ अर्थ, कवि का उद्देश्य, समकालीन अंशों के साथ जोड़ते हुए चर्चा।

सामग्री : शिक्षण अंश से अवगत कराने व सुदृढ़ बनाने के लिए पाठ से जुड़े अभ्यासों के लिए किन अतिरिक्त सामग्रियों का उपयोग करते हैं, के बारे में लिखना चाहिए। (जैसेः कवि का चित्र, शब्दकोश, अंतरजाल, संदर्भ ग्रंथ, नमूने आदि।)

मूल्यांकन : शिक्षण अंश की पूर्ति के बाद छात्रों को दक्षतावार निपुणता प्राप्त करने के लिए उन्हें सोच-समझ कर बातचीत करने योग्य प्रश्न पूछने चाहिए। अभ्यास के प्रश्न भी पूछ सकते हैं।

V. अतिरिक्त जानकारी संकलन :

पाठ शिक्षण के लिए आवश्यक अतिरिक्त जानकारी संकलन, समाचार, विवरण, क्रियाकलाप से जुड़ी पुस्तकों से जानकारी इकट्ठा कर लिखना चाहिए।

VI. अध्यापक की प्रतिक्रियाएँ :

पाठ की समाप्ति के बाद अपने अनुभव, प्रतिक्रियाएँ, छात्रों के अधिगम के बारे में लिखना चाहिए।

पाठ योजना (पद्य पाठ)

I **पाठ का नाम : कण-कण का अधिकारी**

II **पाठ के लिए आवश्यक कालांशों की संख्या :** 8

III **पाठ द्वारा अपेक्षित उपलब्धियाँ / दक्षताएँ :**

I **अर्थग्राह्यता - प्रतिक्रिया :-**

- भाग्य और कर्म के बारे में अपने विचार व्यक्त कर सकेंगे।
- श्रम के महत्व पर अपने विचार व्यक्त कर सकेंगे।

- कवि रामधारी सिंह 'दिनकर' के बारे में बता सकेंगे।
- कविता से संबंधित प्रशनों के उत्तर लिख सकेंगे।
- दिये गये भाव से संबंधित पंक्तियाँ कविता में से चुनकर लिख सकेंगे।
- दिये गये पद्यांश पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिख सकेंगे।

II. **अभिव्यक्ति - सृजनात्मकता :-**

- अनुचित तरीके से धन कमाने व मेहनत से कमाये गये धन में अंतर स्पष्ट कर सकेंगे।
- मेहनती व्यक्ति की श्रेष्ठता के बारे में लिख सकेंगे।
- श्रम करने वालों के अधिकारों के बारे में लिख सकेंगे।
- 'समानता' का अर्थ जानकर उससे संबंधित कहानी लिख सकेंगे।
- 'जीवन की सफलता का मार्ग श्रम है।' इस पर अपने विचार व्यक्त कर सकेंगे।

III. **भाषा की बात :-**

- दिये गये शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखकर वाक्य प्रयोग कर सकेंगे।
- दिये गये शब्दों के विलोम शब्द लिखकर वाक्य प्रयोग कर सकेंगे।
- दिये गये शब्दों के पुनरुक्ति शब्द लिखकर वाक्य प्रयोग कर सकेंगे।
- दिये गये शब्दों के वचन बदल कर वाक्य प्रयोग कर सकेंगे।
- दिये गये शब्दों के भाववाचक संज्ञा रूप लिख सकेंगे।
- दिये गये शब्दों का संधि विग्रह कर सकेंगे।
- दिये गये शब्दों का समास पहचान सकेंगे।
- दिये गये शब्दों का पद परिचय दे सकेंगे।
- रेखांकित शब्दों का पद परिचय दे सकेंगे।
- कारक पहचान सकेंगे।
- संयुक्त क्रियाओं का प्रयोग कर सकेंगे।
- दिये गये शब्दों में अंतर बता सकेंगे।
- उपसर्ग, प्रत्यय पहचान सकेंगे।
- वाक्य का रूप बदलकर लिख सकेंगे।

कालांश संख्या	पाठ्यांश/ शिक्षण बिंदु	शिक्षण व्यूह	पाठ्य सामग्री	मूल्यांकन
1.	उन्मुखीकरण अंश पर बातचीत, उद्देश्य, कवि परिचय।	1. प्रस्तावना ● संबोधन ● उन्मुखीकरण अंश पर बातचीत ● कक्षा के सभी बच्चों से बातचीत ● शीर्षक घोषणा (कण-कण का अधिकारी) ● उद्देश्य (पाठ में दिया गया उद्देश्य छात्रों से पढ़वाना।) ● कवि परिचय (रामधारी सिंह दिनकर) का परिचय छात्रों से पढ़वाना।)	गाँधी जी का चार्ट (विभिन्न कार्य करते हुए) रामधारी सिंह दिनकर का चार्ट	1. आप कौन-कौन से कार्य करते हैं? 2. बच्चों को कौन-कौन से कार्य स्वयं करने चाहिए?
2.	पाठ-पठन अर्थग्रहण कविता पाठ के अन्य चित्रों के बारे में चर्चा काठिन्य निवारण	1. प्रस्तावना ● संबोधन ● पुनरावृत्ति (उन्मुखीकरण प्रसंग व कवि के बारे में पुनरावृत्ति करना) 2. पठन-पाठन, चर्चा, अर्थग्राह्यता ● आदर्श वाचन - अध्यापक द्वारा ● सस्वर वाचन - छात्रों द्वारा ● मौन वाचन - छात्रों द्वारा ● कठिन शब्दों का रेखांकन ● शब्दकोश का प्रयोग ● सामूहिक चर्चा ● शब्दों के अर्थ चर्चा द्वारा श्यामपट पर लिखना। जैसे - (मनुज, संचित, छल, विनीत, विजीत, न्यास्त)	शब्द कोश	1. सीखे गये नवीन शब्द लिखकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

3.	पाठ-पठन कविता की प्रथम 8 पंक्तियाँ	1. परिचय ● बच्चों से बातचीत ● पुनरावृत्ति 2. पठन-पाठन, चर्चा, अर्थग्राह्यता ● आदर्श वाचन - अध्यापक द्वारा ● सस्वर वाचन - छात्रों द्वारा ● मौन वाचन - छात्रों द्वारा ● कविता का विवरण, चर्चा, अवधारणा (विचारोत्तेजक प्रश्न द्वारा जैसे :- मनुष्य किन-किन तरीकों से धन का अर्जन करता है?	पाठ्यपुस्तक	क्या हमें भाग्य पर निर्भर रहना चाहिए? क्यों?
4.	पाठ पठन पाठ्यांश पर चर्चा कविता की अंतिम 8 पंक्तियाँ	1. प्रस्तावना ● संबोधन ● पुनरावृत्ति (सीखे गये प्रश्नों के बारे में पुनरावृत्ति करना।) 2. पठन-पाठन, चर्चा, अर्थग्राह्यता ● आदर्श वाचन - अध्यापक द्वारा ● सस्वर वाचन - छात्रों द्वारा ● मौन वाचन - छात्रों द्वारा ● कविता की अंतिम 8 पंक्तियों पर विचारोत्तेजक प्रश्नों द्वारा चर्चा जैसे :- ● कैसे व्यक्ति का सम्मान किया जाना चाहिए? ● परियोजना कार्य पर निर्देश	पाठ्यपुस्तक	प्रकृति की वस्तुओं पर पहला अधिकार किसका है? क्यों? विश्व श्रम दिवस (मई दिवस) के बारे में जानकारी इकट्ठा कीजिए

5.	शैक्षिक मापदंडों का अभ्यास अर्थग्राह्यता प्रतिक्रिया अ,आ,इ,ई	1. प्रस्तावना ● संबोधन ● पुनरावृत्ति 2. दक्षताओं की प्राप्ति - अभ्यास (अ) छात्रों से प्रश्न पढ़वाना। ● कक्षा के प्रत्येक छात्र से प्रश्न पूछना। ● चर्चा करना। ● उपसंहार बताना। (आ) छात्रों से प्रश्न पढ़वाना। ● पाठ पढ़ने के लिए कहना। ● व्यक्तिगत रूप से उत्तर लिखवाना ● अनुच्छेद पढ़ने के लिए कहना। ● प्रश्नोत्तरों का आयोजन ● व्यक्तिगत रूप से उत्तर लिखवाना (पूर्ण रूप से कक्षा क्रियाकलाप)	पाठ्यपुस्तक समाचार-पत्र की कतरन, लेख आदि	1. अभिव्यक्ति सृजनात्मकता में 'अ' शीर्षकीय लघु प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए कहना।
6.	अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता अ, आ	1. प्रस्तावना ● संबोधन ● पुनरावृत्ति (उदाः श्रम का क्या महत्व है? अपने विचार बताइए।) 2. आप किस प्रकार धन अर्जित करना चाहेंगे और क्यों? II. दक्षताओं की प्राप्ति - अभ्यास ● अभ्यास मे ं 'आ', 'इ', 'ई' के प्रश्न श्यामपट पर लिखना।	छात्रों द्वारा लिखे गये उत्तरों के चार्ट, कविता	(ई) 'नर समाज का भाग्य एक है, वह श्रम, वह भुजबल है। जीवन की सफलता का मार्ग श्रम है', अपने विचार व्यक्त कीजिए।

		कवि ने मज़दूरों के अधिकारों का वर्णन कैसे किया है? अपने शब्दों में लिखिए। ● पूरी कक्षा के प्रत्येक छात्र से चर्चा करवाना। ● व्यक्तिगत या समूह में उत्तर लिखवाना। लिखी हुई सामग्री पढ़वाना। ● भाव, वाक्य, शब्द, अक्षर, त्रुटियों का संशोधन ● परियोजना कार्य का प्रदर्शन - चर्चा - संशोधन		
7,8	शैक्षिक मापदंडों का अभ्यास भाषा की बात व पुनरावृत्ति सुनना - बोलना	1. प्रस्तावना ● संबोधन ● पुनरावृत्ति 2. दक्षताओं की प्राप्ति - अभ्यास ● भाषा की बात के अंश पढ़वाना, समझाना, संशोधन करना। ● उदाहरण देना। (जन, पृथ्वी, धन, पर्याय शब्द) ● चर्चा- अर्थग्राह्यता सूत्रीकरण ● पाठ में पिछड़े छात्रों के लिए पुनरावृत्ति करना।	पाठ्यपुस्तक	1. सीखे गये शब्दों से वाक्य प्रयोग कीजिए।

पाठ योजना (गद्य पाठ)

I **पाठ का नाम : ईदगाह**

II **पाठ के लिए आवश्यक कालांशों की संख्या :** 9

III **पाठ द्वारा अपेक्षित उपलब्धियाँ / दक्षताएँ :**

1.
- पात्र के बारे में अपने विचार बता सकेंगे।
- पाठ के कहानीकार प्रेमचंद के बारे में बता सकेंगे।
- पाठ पढ़कर रिक्त स्थानों की पूर्ति कर सकेंगे।
- पाठ के आधार पर हाँ या नहीं में उत्तर दे सकेंगे।
- अनुच्छेद पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिख सकेंगे।

II.
- पाठ के आधार पर क्यों, कैसे प्रश्नों के उत्तर लिख सकेंगे।
- पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकेंगे।
- पाठ की किसी घटना को संवाद रूप में लिख सकेंगे।
- बड़े-बुजुर्गों के प्रति आदर, स्नेह आदि की भावनाओं का महत्व अपने शब्दों में लिख सकेंगे।

III.
- दिये गये शब्दों के पर्यायवाची लिखकर वाक्य प्रयोग कर सकेंगे।
- दिये गये शब्दों के विलोम शब्द लिखकर वाक्य प्रयोग कर सकेंगे।
- दिये गये शब्दों के वचन बदलकर वाक्य प्रयोग कर सकेंगे।
- दिये गये शब्दों के उपसर्ग पहचान सकेंगे।
- प्रत्यय पहचान सकेंगे।
- दिये गये शब्दों को भाववाचक संज्ञा रूप में लिख सकेंगे।
- दिये गये क्रिया शब्द का प्रयोग करते हुए उसके विभिन्न रूप बता सकेंगे।
- मुहावरे पहचानकर उनका अर्थ बताते हुए वाक्य प्रयोग कर सकेंगे।

संख्या	पाठ्यांश	शिक्षण व्यूह	पाठ्य सामग्री	मूल्यांकन
1.	उन्मुखीकरण अंश पर बातचीत, उद्देश्य, लेखक परिचय।	1. प्रस्तावना ● संबोधन ● उन्मुखीकरण अंश के बारे में कक्षा के सभी बच्चों से बातचीत। ● शीर्षक की घोषणा (श्यामपट पर लिखना) ● उद्देश्य (छात्रों के द्वारा उद्देश्य पढ़ाना चाहिए) 2. पाठ शिक्षण - चर्चा - अर्थग्राह्यता ● लेखक परिचय (छात्रों से पढ़वाना चाहिए।)	पेड़, फूल का चित्र, प्रेमचंद का चित्र	चित्र के आधार पर शब्द वाक्य लिखना
2.	पाठ-पठन अर्थ ग्रहण काठिन्य निवारण	1. प्रस्तावना ● संबोधन ● पुनरावृत्ति (लेखक के बारे में पुनरावृत्ति करना।) 2. पठन - पाठन, चर्चा, अर्थग्राह्यता ● पाठ के चित्र के बारे में बातचीत करवाना। ● व्यक्तिगत वाचन ● आदर्श वाचन ● मौन वाचन ● कठिन शब्दों का रेखांकन ● शब्दकोश का प्रयोग ● सामूहिक चर्चा ● शब्दों के अर्थ चर्चा द्वारा श्यामपट पर लिखना	शब्दकोश, पाठ्यपुस्तक	शब्दों का वाक्यों में प्रयोग।

संख्या	पाठ्यांश	शिक्षण व्यूह	पाठ्य सामग्री	मूल्यांकन
3. 4.	पाठ-पठन पाठ्यांश पर चर्चा	1. प्रस्तावना ● संबोधन ● पुनरावृत्ति (सीखे गये नवीन शब्दों के बारे में पुनरावृत्ति करना।) 2. पठन-पाठन - चर्चा, अर्थग्राह्यता ● आदर्श वाचन ● मौन वाचन पाठ्यांश पर चर्चा (विचारोत्तेजक प्रश्न पूछना। जैसे :-) ● बच्चे कौन-कौनसी दुकान पर गये? ● हामिद ने क्या खरीदा? ● प्रशंसा	खिलौने, मिठाइयाँ, बिगुल, गेंद आदि का चार्ट। ईद का चार्ट	1. हामिद किसके साथ रहता था? 2. बच्चे कहाँ जा रहे थे? 3. हामिद ने चिमटा ही क्यों खरीदा? 4. रमज़ान के महीने में कितने रोज़े होते हैं?
5.	शैक्षिक मापदंडों का अभ्यास अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया	1. प्रस्तावना ● संबोधन ● पुनरावृत्ति (सीखे गये प्रश्नों के बारे में पुनरावृत्ति) 2. दक्षता की प्राप्ति अभ्यास ● अर्थग्राह्यता प्रतिक्रिया प्रश्न श्यामपट पर लिखना। ● छात्रों से प्रश्न पढ़वाना। ● कक्षा के हर छात्र से प्रश्न पूछना ● उपसंहार बताना (आ) छात्रों से प्रश्न पढ़वाना। ● पाठ पढ़ने के लिए कहना। ● समूह कार्यके रूप में अर्थग्राह्यता के प्रश्नों के उत्तर लिखवाना। ● प्रदर्शन-चर्चा-उपसंहार परियोजना के अभ्यास के बारे में निर्देश देना।	समाचार पत्र, अन्य पुस्तकें	अभिव्यक्ति - सृजनात्मकता में 'अ' शीर्षकीय लघु प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए कहना।

संख्या	पाठ्यांश	शिक्षण व्यूह	पाठ्य सामग्री	मूल्यांकन
6.	शैक्षिक मापदंडों का अभ्यास- अभिव्यक्ति सृजनात्मकता, प्रशंसा, परियोजना कार्य	1. प्रस्तावना ● संबोधन ● पुनरावृत्ति 2. दक्षताओं की प्राप्ति - अभ्यास ● श्यामपट पर आ, प्रश्न लिखना। ● छात्रों से प्रश्न पढ़वाना। ● सामूहिक रूप से छात्रों को अलग-अलग समूहों में बाँटकर प्रश्न के उत्तर पर चर्चा करवाना। ● प्रश्न के उत्तर पर चर्चा करवायें। ● व्यक्तिगत रूप से उत्तर लिखवायें ● भाव, वाक्य, शब्द, अक्षर, त्रुटियों का संशोधन ● प्रशंसा कार्य का प्रदर्शन - चर्चा संशोधन करना। ● परियोजना कार्य का प्रदर्शन - चर्चा, संशोधन	पाठ्य पुस्तक	हामिद ने अन्य बच्चों की तरह मिठाई और खिलौने क्यों नहीं खरीदे? वरिष्ठ नागरिकों के प्रति आदर-सम्मान की भावना से जुड़ी कहानी ढूँढ़कर लाइए।
7.	अभिव्यक्ति- सृजनात्मकता इ, ई	1. प्रस्तावना ● संबोधन ● पुनरावृत्ति 2. दक्षता की प्राप्ति अभ्यास ● श्यामपट पर प्रश्न लिखना। ● छात्रों से प्रश्न पढ़वाना। ● छात्रों को समूह में बाँटकर चर्चा करवाना। ● व्यक्तिगत या समूह रूप से उत्तर लिखवायें। 3. अर्थग्राह्यता की जाँच ● भाव, वाक्य, शब्द, अक्षर त्रुटियों का संशोधन ● परियोजना कार्य का प्रदर्शन- चर्चा-संशोधन करना।) ● व्यक्तिगत तौर पर प्रतिवेदन लिखना।	पाठ्य-पुस्तक	हामिद की प्रशंसा में चार वाक्य लिखिए।

संख्या	पाठ्यांश	शिक्षण व्यूह	पाठ्य सामग्री	मूल्यांकन
8.	भाषा की बात अ, आ, इ, ई	1. परिचय ● संबोधन ● पुनरावृत्ति 2. दक्षता की प्राप्ति हेतु अभ्यास ● छात्रों से प्रश्न पढ़वाना ● चर्चा करवाना ● अन्य उदाहरणों पर चर्चा करना। ● व्यक्तिगत रूप से उत्तर लिखने के लिए कहना। 3. अर्थग्राह्यता की जाँच	व्याकरण की पुस्तक	(ई) अभ्यास कार्य करने के लिए कहना
9.	भाषा की बात परियोजना कार्य	1. परिचय ● संबोधन ● पुनरावृत्ति 2. पठन - पाठन ● छात्रों से प्रश्न पढ़वाना। ● अन्य उदाहरणों पर चर्चा करना जैसे मुहावरे कहने के लिए कहना। ● व्यक्तिगत रूप से उत्तर लिखने के लिए कहना। ● परियोजना कार्य का प्रदर्शन करवाना। 3. अर्थग्राह्यता की जाँच।	व्याकरण पुस्तक	पाठ की पुनरावृत्ति हेतु अभ्यास संबंधी प्रश्न